

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था
सत्संग शिक्षण परीक्षा
सत्संग परिचय
प्रश्नपत्र - १

सुबह ९:०० से ११:१५] (रविवार, १९ जुलाई, १९९८)

कुल अंक : ७५

सूचना : दायीं ओर प्रश्न के अंक लिखे हैं।

(विभाग - १ सहजानंद चरित्र)

- प्र. १. निम्नलिखित में से कोई भी दो विधान कौन, किस से और कब कहता है, यह लीखिए। ६
१. "कुछ प्राप्ति हुई है क्या? इतने प्रफुल्लित क्यों दिख रहे हो?"
 २. "यह कोई कीचड़ नहीं, यह तो चंदन है।"
 ३. "भगवान ऐसा अन्याय नहीं सहेंगे।"
 ४. "मुझे लगता है जैसे मैंने पहले कहीं आप के दर्शन किये हैं।"
- प्र. २. निम्नलिखित में से किन्हीं दो के कारण दीजिए। (लगभग १२ पंक्तियों में) ८
१. श्रीजी महाराजने चार संतो को सद्गुरु पद पर नियुक्त किये।
 २. श्रीजी महाराजने संतो को जूतें पहनने के लिये कहा।
 ३. बिना कुछ कहे-समझाये ही मूलू खाचर निर्व्यसनी बने।
 ४. शोभाराम शास्त्री अंध हुआ।
- प्र. ३. किन्हीं दो पर लगभग १२ पंक्तियों में विवरण लीखिए। ८
१. श्रीजी महाराज के प्रगट होने के छ हेतु।
 २. अठारह को दीक्षा।
 ३. स्त्री की गंध।
 ४. गवर्नर जोन माल्कम के साथ श्रीजी महाराज की मुलाकात।
- प्र. ४. निम्नांकित प्रश्नों के एक वाक्य में उत्तर दीजिए। ५
१. श्रीजी महाराजने कब और कहां पर १२ स्वरूप में दर्शन दिये?
 २. श्रीजी महाराजने दृष्टि का दान किसे दिया?

३. विशप हेबर के साथ श्रीजी महाराज की मुलाकात कहाँ हुई?
 ४. श्रीजी महाराजने कौन से वर्ष और तिथि के दिन स्वामिनारायण का भजन करवाया?
 ५. विधवा स्त्रियों को श्रीजी महाराजने कौन सी आदरपूर्ण उपाधि(पदवी) प्रदान की?
- प्र. ५. निम्नलिखित में से किसी एक का निरूपण कर संक्षिप्त में भावार्थ लीखिए। ५
१. हमें कैसा कहेंगे?
 २. सभी का कल्याण करना है।
 ३. जालिया में बीमारी।
- (विभाग २ सत्संग वाचनमाला भाग - २)
- प्र. ६. निम्नांकित में से कोई भी दो विधान कौन, किस से और कब कहता है, यह लीखिए। ६
१. "आप की सेवा वह महाराज की ही सेवा है - एसा मैं जानता हूँ।"
 २. "यह कहाँ सालेमाल है, यह तो अक्षर ओरडी है।"
 ३. "ब्रह्मचारी अधिक पढे लिखे नहीं हैं, किन्तु मुद्दे की बात समझें हैं।"
 ४. "आप राजकोट जाईये, महाराज आप का व्यवहार चलायेंगे।"
- प्र. ७. निम्नांकित में से किन्हीं दो के लगभग १२ पंक्तियों में कारण लिखिए। ८
१. दादा खाचर और दोनों बहनें श्रीजी महाराज को लेने सारंगपुर गए।
 २. गुणातीतानंद स्वामीने कहा, 'यह जागा भक्त तो हमारे सच्चे सेवक है।'
 ३. लाडुबाने भैंसे की सेवा घर पर आरंभ की।
 ४. श्रीजी महाराजने नित्यानंद स्वामी को विमुख कर दिया।
- प्र. ८. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर लगभग १२ पंक्तियों में विवरण लीखिए। ८
१. प्रेमानंद स्वामी की गान कला।
 २. शास्त्रीजी महाराज को जागा भक्त का महिमा।
 ३. श्रीजी महाराज के प्रति मूलजी ब्रह्मचारी की भक्ति।
 ४. श्रीजी महाराजने की हुई दादा खाचर की कसौटी।

प्र. ९. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लीखिए ।

६

१. मूलजी ब्रह्मचारी की मूर्ति का प्रतिष्ठापन किसने और कहाँ किया ?
२. दीक्षा देने के पश्चात श्रीजी महाराजने प्रेमानन्द स्वामी को कौन सा नाम दिया ?
३. अयोध्याप्रसादजी महाराज के उत्तराधिकारी कौन बने ?
४. गुणातीतानंद स्वामी तथा निष्कुलानंद स्वामी के लिये नित्यानंद स्वामी क्या कहते ?
५. बोचासण की प्रतिष्ठा के बाद कृष्णजी अदा क्या कहा करते थे ?
६. जागा भक्त की लिखी 'स्वामीकी बातें' कौन से प्रकरण में आती है ?

(विभाग - 3 निबंध)

प्र. १०. निम्नलिखित में से किसीभी एक विषय पर लगभग ४५ पंक्तियों में निबंध लीखिए ।

१५

१. आदर्श सत्संगी ।
२. उत्सव - समाज जीवन का अनिवार्य अंग ।
३. युवा पेढी के तारणहार - प्रमुखस्वामी महाराज ।

